प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पन्तनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

'सोच समझ कर करें विषय का चुनाव'

पंतनगर। 18 मई 2023। विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय के संसाधन प्रबंधन एवं उपभोक्ता विज्ञान विभाग के चतुर्थ वर्ष के विद्यार्थियों द्वारा डा. छाया शुक्ला के संयोजन में 'एफ आर एमः क्यों' नामक विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों को संसाधन प्रबंधन एवं उपभोक्ता विज्ञान विभाग के प्रमुख विषयों, उपलब्ध प्रयोगशालाओं, सतत संचालित गतिविधियों के साथ–साथ विद्यार्थियों के बेहतर भविष्य निर्माण में विभाग की भूमिका स्पष्ट करना था। चतुर्थ वर्ष के एसआरपी एफआरएम के विद्यार्थियों ने अपने प्रथम षट्मास में की गई इन–प्लांट ट्रेनिंग तथा द्वितीय षट्मास में हैंड्स इन ट्रेनिग इन इवेंट एंड डेकोर मैनेजमेंट कोर्स के अंतर्गत सीखे गए कौशल एवं उसके प्रायोगिक अनुभवों को साझा किया। महाविद्यालय पाठ्यक्रम के अनुसार तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों को चतुर्थ वर्ष हेतु उपलब्ध 5 विभागों में से किसी एक का स्टूडेंट रेडी प्रोग्राम के अंतर्गत चयन करना होता है। इस चयन प्रक्रिया में विद्यार्थी की मेरिट के साथ–साथ उसके रुझान/पसंद को भी ध्यान में रखा जाता है। संसाधन प्रबंधन एवं उपभोक्ता विज्ञान विभाग अपनी दक्ष एवं कर्तव्यनिष्ठ शिक्षकों की उपलब्धता एवं ज्यादा से ज्यादा प्रायोगिक एवं वास्तविक प्रशिक्षण का अनुभव देने के कारण विद्यार्थियों को लगातार आकर्षित कर रहा है। इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. अल्का गोयल ने इस अवसर पर विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि गृह विज्ञान महाविद्यालय का संपूर्ण पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को ज्ञान के साथ–साथ कौशल प्रदान करता है तथा उनके संपूर्ण व्यक्तित्व के विकास में सहायक है।

विभागाध्यक्ष डा. अदिति वत्स ने विभाग में उपलब्ध संसाधनों पर प्रकाश डालते हुए कहा की विभाग का प्रत्येक शिक्षक विद्यार्थी हित में हर संभव प्रयास करने के लिए सदैव तत्पर रहता है। विद्यार्थियों के कौशल प्रशिक्षण हेतु सहज ही उपलब्ध रहते हैं हमारा प्रयास रहता है कि हम विद्यार्थियों को कान के साथ–साथ व्यवहारिक आवश्यक कौशल सीखने हेतु उपयुक्त संसाधन एवं परिवेश प्रदान करें। तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों द्वारा एस. आर. पी. विषय चयन से संबंधित मन में उठ रहे प्रश्नों तथा असमंजस की स्थिति को रखने का माध्यम प्रदान किया गया। इस अवसर पर विभाग की वरिष्ठ पा़ध्यापक डा. सीमा क्वात्रा, श्री टी. ए. खस्तगीर, डा. दिव्या रानी जूनियर साइंटिस्ट, डा. सुनीता शर्मा सहित विभाग के शिक्षणेत्तर सहयोगी श्री नीरज, श्री जगदीश, श्रीमती ममता, श्रीमती मंजू तथा श्रीमती लक्ष्मी भी उपस्थित रहे। तृतीय वर्ष की विद्यार्थियों ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि इससे उनके अनुत्तरित प्रश्नों का सही उत्तर एवं भविष्य हेतु एक स्पष्ट मार्गदर्शन उन्हें प्राप्त हुआ है। यह कार्यशाला विद्यार्थियों को अपने मन की बात शिक्षकों के समक्ष प्रस्तुत करने का बहुत ही अच्छा अवसर रहा।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों को जानकारी देती डा. छाया शुक्ला।